>

Title: Issue regarding Ram Janma Bhumi in Ayodhya.

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): अध्यक्ष महोदया, मैं एक गंभीर मामले को सदन के सामने रख रहा हूं। अयोध्या का विवाद आज से नहीं, बल्कि वर्ष 1950 से पहले शुरू हुआ। वह मामला न्यायालय में विचाराधीन है। पहले भी हमारे समय में ही भारतीय जनता पार्टी ने खामखां ऐसा वातावरण देश में बनाया कि दंगा हो गया और फिर वही काम बीजेपी कर रही है। ये न्यायपालिका को मानते नहीं, संविधान को मानते नहीं। ये क्या चाहते हैं, मैं इनसे यह पूछना चाहता हूं? जब सुप्रीम कोर्ट ने कहा है ...(व्यवधान) सुप्रीम कोर्ट में फैसला हुआ, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सरकार को यथास्थिति बनाये रखने की आवश्यकता है और उसको बनाये रखना पड़ेगा। आज हम सुप्रीम कोर्ट के फैसले को मान रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट का निर्देश है कि अयोध्या में कोई भी नया कार्य शुरू नहीं हो सकता है। जब तक फैसला नहीं हो जाता है, तब तक इस तरह सवाल को उठाने का कोई औचित्य ही नहीं है और न हम इस तरह के कार्य को होने देंगे। हम तो सुप्रीम कोर्ट के फैसले को मान रहे हैं। ये सुप्रीम कोर्ट के फैसले को नहीं मानेंगे, न संविधान को मानेंगे, कुछ भी नहीं, ये मनमानी करेंगे, तो और मनमानी करेंगे, गिरफ्तार होंगें। ये असत्य कहते हैं कि पिटाई हुई है। किसकी पिटाई हुई है? पिटाई हुई है तो पीठ दिखाओ। कौन पीटा है? ये बता दो कि चोट किस को लगी है? ...(व्यवधान) किसी को न चोट लगी है, न किसी को मारा पीटा गया है, न लाठी चली है, केवल उन्हें वहां जाने नहीं दिया गया है। जनता ने उनका साथ नहीं दिया, एक भी आदमी नहीं गया। ...(व्यवधान) ये लोग असत्य बोलते हैं कि रोका गया।...(व्यवधान) कौन कहता है, रोका गया? किसको रोका गया।? ...(व्यवधान) मीडिया कर रहा है और ये कर रहे हैं।...(व्यवधान) ये असत्य बोल रहे हैं। ये कहीं नहीं गए और न जा सकते थे।...(व्यवधान) एक भी जनता ने इनका साथ नहीं दिया। वहां संतों ने बकायादा मीटिंग की और संतों ने इनकी निंदा की है। ...(व्यवधान) संतों ने इनका साथ नहीं दिया।

SHRI ANANTH KUMAR (BANGALORE SOUTH): Madam, This is an unparliamentary word. ...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: If there is anything unparliamentary, then I will delete it.

...(*Interruptions*)

श्री मुलायम सिंह यादव : संतों ने बाकायादा इनकी निंदा की, प्रस्ताव भी पास किया, संतन के पक्ष में, और जनता ने आदेश दिया। ...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद (सारण): जनता ने नकार दिया। ...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : जनता ने तो नकार ही दिया। इनको एक आदमी भी नहीं मिला।...(व्यवधान) इनको एक व्यक्ति तक नहीं मिला। ...(व्यवधान) हाई कोर्ट ने फैसला कर दिया, न्यायालय के आदेश का पालन करना पड़ेगा। सरकार न्यायालय के आदेश का पालन कर रही है। संविधान का पालन कर रही है। ये न तो संविधान को मान रहे हैं और न न्यायालय की बात मान रहे हैं और यहां आ कर हमारे दफ्तर को तोड़ दिया। इससे गंभीर बात क्या हो सकती है?...(व्यवधान) हमारे दफ्तर पर हमला किया।...(व्यवधान) यह तो अच्छा रहा कि वहां कोई नेता नहीं थे। हमारे कर्मचारी पीछे से भाग गए। उन्होंने फाटक भी तोड़ा, साइनबोर्ड तोड़ा, पार्टी के महासचिव का नेम प्लेट तोड़ दिया। ...(व्यवधान) * और बात शिष्टाचार की करते हैं। ...(व्यवधान) ये महानता की बात करते हैं। ...(व्यवधान) *

अध्यक्ष महोदया : अनपार्लियामेंट्री शब्द का इस्तेमाल नहीं करिए।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, इस शब्द का इस्तेमाल नहीं करिए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: I will have it expunged.

...(*Interruptions*)

श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष महोदया, ...(व्यवधान)*

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, इस शब्द का इस्तेमाल मत करिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : न्यायालय के आदेश का पालन कीजिए ...(व्यवधान) संविधान का पालन कीजिए। ...(व्यवधान) मनमानी नहीं करिए। ...(व्यवधान) आप मनमानी करोगे। ...(व्यवधान) मनमानी करोगे तो आप सजा भुगतोगे। ...(व्यवधान) ...(व्यवधान) *

MADAM SPEAKER: I will expunge it.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : ये जो शब्द हैं, इसका इस्तेमाल मत करिए।

...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : हमारी सरकार ने संविधान का पालन किया है। हमारी सरकार ने उच्चतम न्यायाल के निर्देश का पालन किया है और निर्देश पालन करने पर, नियमानुसार कार्यवाही करनी पड़ेगी ये सब के सब न न्यायालय को मान रहे हैं, न संविधान को मान रहे हैं, ये क्या मान रहे हैं? ...(व्यवधान) *

...(व्यवधान) आज अयोध्या का सवाल शांतिपूर्ण तरीके से निपट गया संतों ने इनका साथ नहीं दिया, संतों ने इनकी निंदा की। जनता ने इनका साथ नहीं दिया। ये अकेले खड़े रहे गए। अब अकेले खड़े रहे गए तो कोई न कोई बहाना ढूंढ रहे हैं। बताइए कौन गया था? किसने गिरफ्तार किया? बताओ महंत जी कहां मारा था?...(व्यवधान) चोट दिखाइए। ...(व्यवधान) कहां चोट लगी?...(व्यवधान) कपड़े उतारिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, नहीं।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : इसलिए अध्यक्ष महोदया, इनको समझाइए। पूरे सदन से मेरी अपील है। ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Please do not say that word.

...(*Interruptions*)

श्री मुलायम सिंह यादव : ये देश में दंगा-फसाद करना चाहते हैं। अब इनके साथ कोई वोट नहीं है। अब एक ही मुद्दा बचा है कि दंगा करो और कराओ। दंगा के आधार पर ये वोट लेना चाहते हैं। आप वोट की राजनीति बंद करो। ...(व्यवधान) आप धर्म की बात करते हो और अधर्म करते हो। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : कृपया अब आप अपनी बात समाप्त करिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : मैं पूछना चाहता हूं कि अयोध्या का मुद्दा क्यों उठाया? ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप की बात पूरी हो गई।

â€¦(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : राम को बदनाम मत करो। ...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : राम को बदनाम तो ये अब कर ही नहीं पाएंगे। ...(व्यवधान) राम ने तो इनका इंतजाम अच्छी तरह से कर दिया। ...(व्यवधान) इनकी हिम्मत नहीं पड़ी। अब जनता को बहला रहे हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : कृपया अब आप अपनी बात समाप्त करिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : जनता ने इनका साथ नहीं दिया और इनका अता-पता नहीं चला कि न जाने ये कहां छिप गए?...(व्यवधान) ये अखबार में बयान देते रहते हैं। रात-रात भर मीटिंग की। ...(व्यवधान)

एक नेता ने दो रात मीटिंग की। एक भी व्यक्ति वहां जाने को तैयार नहीं हुआ।

अध्यक्ष महोदया, खिसयानी बिल्ली खंभा नोचे, बस यही है। ...(व्यवधान) कोई साथ देने वाला नहीं है। ...(व्यवधान) अयोध्या में शांति है। अयोध्या की जनता ने साथ दिया।...(व्यवधान) उत्तर प्रदेश की जनता ने साथ दिया। हमारे पुलिस प्रशासन ने बहुत अच्छा इंतजाम किया। इसके लिए उनको बधाई, धन्यवाद। ...(व्यवधान)

सब दल के नेताओं से हमारी अपील है कि इस मामले में हमारा साथ दें।

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): अध्यक्ष महोदया, माननीय मुलायम सिंह जी ने अभी जो बात यहां कही है, मुझे अच्छा लगा कि लालू जी आज उनका समर्थन कर रहे हैं, प्रधान मंत्री के लिए भले ही उन्होंने समर्थन न किया हो, लेकिन आज पता नहीं किस बात के लिए समर्थन कर रहे हैं।...(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से पूरे सदन का ध्यान उन मुद्दों की ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि आज भी सदन की मर्यादा के विरुद्ध यहां बातें हो रही हैं, पूरे देश को किस प्रकार गुमराह किया जा रहा है। अयोध्या में तीन प्रकार की परिक्रमाएं होती हैं - पंच कोसी, चौदह कोसी और चौरासी कोसी।...(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): चौरासी कोसी परिक्रमा कभी नहीं हुई।...(व्यवधान)

योगी आदित्यनाथ : महोदया, उसी परम्परा के अनुसार चौरासी कोसी परिक्रमा देश के दस हजार संतों ने प्रयागराज महाकुंभ के अवसर पर तय की थी। उसी के अनुसार परिक्रमा, यात्रा का कार्यक्रम तय हुआ था।...(व्यवधान) मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि अयोध्या में श्री राम जन्म भूमि, जिस पर माननीय उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय की खंडपीठ के निर्णय के बाद स्थगन आदेश दिया है, उससे 25-30 किलोमीटर दूर बस्ती जनपद के मुखौड़ा नामक स्थान से, जहां महाराज दशरथ ने पुत्रेष्टि यज्ञ किया था, उस स्थान से इस परिक्रमा यात्रा को प्रारंभ होना था। वह विशुद्ध धार्मिक यात्रा थी जिसमें किसी राजनीतिक दल का कोई हस्तक्षेप नहीं था, बिल्कुल दो सौ-ढाई सौ संतों को उस यात्रा में चलना था। 13 सितम्बर तक बीस दिन की यात्रा है। लेकिन जिस प्रकार से धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार पर उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रहार किया है, पहली बार यह देखने को मिला है कि लगभग दो हजार से अधिक संतों को गिरफ्तार किया

गया है, पूरी तरह अपमानित किया गया हैं। यहां तक कि कुछ संत ऐसे हैं जो अयोध्या में केवल सरयु जी का स्नान करते हैं, उसी जल का ग्रहण करते हैं, उन्हें वहां सरयु जी का पूजन नहीं करने दिया गया, स्नान नहीं करने दिया गया। उन्हें जबरन उठाकर बंद कर दिया गया, उन पर लाठियां चलाई गई हैं। ...(व्यवधान) पूरी तरह से अपमानित करके उत्तर प्रदेश सरकार ने हमारे संवैधानिक और मौलिक अधिकारों का हनन किया है।

दूसरा, जहां तक स्थगन आदेश की बात है, मैं इस देश के अंदर सैकुलरिज़्म के नाम पर राजनीति करने वाले उन सभी दलों को याद दिलाना चाहूंगा कि वर्ष 1994 में कांग्रेस नेतृत्व की ही सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक शपथ पत्र दिया था और कहा था कि अगर यह तय हो जाएगा कि अयोध्या में विवादित ढांचा किसी हिन्दू मंदिर या स्मारक को तोड़कर बनाया गया है, तो हिन्दू भावनाओं के अनुरूप कार्य होगा।...(व्यवधान) आखिर यह साबित हो चुका है। अयोध्या में 30 सितम्बर, 2010 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ की पूर्ण पीठ ने जो फैसला दिया है, उसमें तीनों जजों ने एक स्वर से कहा है कि विवादित भूमि ही राम जन्म भूमि है। जब विवादित भूमि राम जन्म भूमि है तो उसके लिए कानून बनाने की मांग इस देश का संत समाज कर रहा है, कोई पाप नहीं कर रहा है। हम अपने हक को मांग रहे हैं। हम यही मांग कर रहे हैं कि अयोध्या में राम जन्म भूमि में भव्य मंदिर का निर्माण होना चाहिए। इस सरकार को कानून लाना चाहिए, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट में शपथ पत्र कांग्रेस नेतृत्व की सरकार ने उस समय दाखिल किया था...(व्यवधान) हम उसी कृम में मांग कर रहे हैं।...(व्यवधान) संतों को उनके हकों से वंचित किया जा रहा है। उनकी धार्मिक यात्रा को प्रतिबंधित किया जा रहा है। उन्हें अपमानित किया जा रहा है। मुलायम सिंह जी किस समाजवाद की बात कर रहे हैं, किस संविधान की बात कर रहे हैं? यह समाजवाद है? ये स्वयं राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। इनके दो भाई महासचिव हैं। इनका पुत्र प्रदेश अध्यक्ष है।...(व्यवधान) कौन से समाजवाद की बात कर रहे हैं?...(व्यवधान) परिवारवाद की बात कर रहे हैं। ...(व्यवधान) ये देश को बेवकूफ बना रहे हैं।...(व्यवधान) ये केवल देश को गुमराह करने का कार्य कर रहे हैं और गुमराह करके समाजवाद के नाम पर सैकुलरिज़्म की धज्जियां उड़ा रहे हैं।...(व्यवधान) उत्तर प्रदेश के अंदर तीस-तीस दंगे हो चुके हैं।...(व्यवधान) महोदया, एक वर्ष में तीस बड़े-बड़े दंगे, हर दंगे में हिन्दू प्रताड़ित हुआ है, हिन्दू जेल में बंद हुआ है और यह सरकार परम्परा की बात करती है। किस परम्परा की बात यह सरकार कर रही है? आतंकवादियों के खिलाफ दायर मुकदमों को वापिस लेना कौन सी परम्परा का हिस्सा है?...(व्यवधान) यह सरकार उत्तर प्रदेश के अंदर जिस प्रकार से सरकारी जमीनों को कब्रिस्तान के नाम पर आवंटित कर रही है, वह कौन सी परम्परा का हिस्सा है?...(व्यवधान) वहां के गरीबों, पिछड़ी जाति, अनुसूचित जाति के हकों पर डकैती डलवा कर यह सरकार जिस प्रकार से उत्तर प्रदेश में जंगल राज कायम किये हुए है, आखिर वह किस परम्परा का हिस्सा है? इसलिए मैं आपके माध्यम से अनुरोध करना चाहूंगा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदश में हमारी धार्मिक भावनाओं का अपमान किया है, संतों को अपमानित किया है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

योगी आदित्यनाथ : महोदया, इस सरकार को रहने का अधिकार नहीं होना चाहिए। ...(व्यवधान) इसे तत्काल बर्खास्त किया जाना चाहिए। ...(व्यवधान) मैं आपसे अनुरोध करूंगा और भारत सरकार से मांग करूंगा, वहां की सरकार लड़ाने का कार्य कर रही है। ...(व्यवधान) यह केवल मुस्लिम ज़ेहादी आतंकवाद को प्रश्रय देकर, हिन्दुओं को अपमानित करके संतों का अपमान करना चाहती है। इसीलिए 84 कोसी परिक्रमा को इन्होंने रोका है। ...(व्यवधान) महोदया, जितनी फोर्स वहां लगायी गयी ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

योगी आदित्यनाथ : अगर उसका केवल दशांश भी सुरक्षा के लिए देती, तो दो सौ-ढाई सौ संत अपनी धार्मिक यात्रा को शांतिपूर्ण ढंग से निकालते। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है, हो गया। आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

योगी आदित्यनाथ: इस सरकार ने यात्रा पर रोक लगाकर उत्तर प्रदेश में दस करोड़ लोगों को पीड़ित किया है, अपमानित किया है। ...(व्यवधान) उनको परेशान किया है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : धन्यवाद।

â€¦(व्यवधान)

योगी आदित्यनाथ : यही नहीं, यह सरकार लगातार हिन्दुओं को अपमानित करने का कार्य कर रही है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आपकी बात हो गयी है, इसलिए आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

योगी आदित्यनाथ : अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से अनुरोध करूंगा कि इस सरकार को रहने का कोई अधिकार नहीं, इसे बर्खास्त किया जाना चाहिए।

अध्यक्ष महोदया : डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह, आप जीरो ऑवर का मैटर उठाइये।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): अध्यक्ष महोदया, आपने बड़ी कृपा की। ...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : अध्यक्ष महोदया, हम भी अयोध्या के मामले में बोलेंगे। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : जिन्होंने नोटिस दिये थे, उनको हमने बोलने के लिए बुलाया है।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Dr. Raghuvansh Prasad Singh.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: we are not having a debate.

...(*Interruptions*)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदया ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : रघुवंश प्रसाद जी, जीरो ऑवर के नोटिस पर आप बोलिये।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदया, आपने बड़ी कृपा की है कि भगवान बुद्ध के पवित्र और मशहूर भिक्षा पात्र ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइये। रघुवंश जी, भगवान बुद्ध के लिए बोल रहे हैं इसलिए आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : कृपया शांति बनाये रखिए। देखिए, भगवान बुद्ध की बात हो रही है।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : रघुवंश प्रसाद सिंह जी, आप जोर से बोलिये।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदया, भगवान बुद्ध के मशहूर भिक्षा पात्र जो अफगानिस्तान के काबुल संग्रहालय में रखा हुआ है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : हो गया। अब रघुवंश बाबू बोल रहे हैं, भगवान बुद्ध पर बोल रहे हैं। आप शांति कायम कीजिए। रघुवंश बाबू, आप बोलिये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप क्यों खड़े हो गये? आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव : अध्यक्ष जी, भाई मुलायम सिंह जी और योगी जी की बात मैंने सुनी। ऐसा दुर्भाग्य देश के साथ है, जो हमारा पीछा नहीं छोड़ता है। इतने वर्षों की गुलामी के बाद भी एक बड़े लोगों की एक बड़ी जमात हुई, बड़ी मुश्किल से यह आज़ादी मिली। आज़ादी मिलते ही देश बंट गया। 15 लाख लोग इधर से उधर गए। देश बंटे हैं, लेकिन आबादी इधर से उधर हो जाए, यह कभी नहीं हुआ। जो मुलायम सिंह यादव जी ने कहा, जो योगी आदित्यनाथ जी ने कहा, आपसे मैं निवेदन करना चाहता हूं कि कानून का राज है। आजादी सब तरह की है, लेकिन आजादी का मतलब यह नहीं है कि उस आजादी से बाकी लोगों की जिन्दगी एक बुरी तबाही में फंस जाए। यह हो चुका है। एक बार यह हो चुका है,, यह रोज हो जाता।...(व्यवधान)

अध्यक्ष जी, इस देश में एक लाख जातियां हैं। यह विश्व हिन्दू परिषद *â€¦* *...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : रिकॉर्ड से बाहर कर दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : एक्सपंज हो जाएगा। एक्सपंज कर देंगे।